

(S. M. Banerjee)

they are trying to hide all their sins. They want to provoke a strike. The people of this country should know that the Railway Administration has gone on strike; the P&T Administration is going on strike. The P&T workers will revolt against it. If he wants to fight with the P&T workers, the P&T workers are prepared to fight.

**SHRI DINEN BHATTACHARYYA** (Serampore): Yesterday the Railway Minister has made a statement that he has an open mind, the doors are open etc. and he said that they want negotiations. Is this the way they want to have negotiations? Tomorrow there is going to be a negotiation. And now he has come forward at the fag end of the day saying that he will stop all the postal articles and other things (Interruptions)

**MR. SPEAKER:** Order please. I request you to kindly sit down.

**SHRI INDRAJIT GUPTA:** The Railway Minister yesterday advanced the plea that it was necessary to conserve coal and that is why trains were being cancelled. What is his argument?

**SHRI S. M. BANERJEE:** This is most deplorable, most condemnable.

**MR. SPEAKER:** All of you will please sit down.

**SHRI INDRAJIT GUPTA:** Why cannot they come forward with this statement earlier?

श्री रामाशतर शास्त्री (पटना) : ये समझोता बार्ता को सेवोटज कर रहे हैं।

**SHRI DINEN BHATTACHARYYA:** Do you want to create confusion? (Interruptions).

Shri Indrajit Gupta, Shri Dinen Bhattacharyya and some other hon. Members then left the House.

**MR. SPEAKER:** Shri Shrivnath Singh.

#### RESOLUTION RE. POLICY IN RESPECT OF PRICES AND AGRICULTURAL PRODUCTION—Contd.

श्री शिवनाथ सिंह (मुमुनु) : यह एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव है। इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर जब मैं बोल रहा हूँ तो माननीय सदस्य जो विषयन पैदा कर रहे हैं यह धक्की बात नहीं है (स्वबयान) इस प्रस्ताव का देश के करोड़ों किसानों में सम्बन्ध है (स्वबयान)

इस प्रस्ताव के द्वारा यह चाहा गया है कि देश के अन्दर कीमतों को कंट्रोल किया जाये और कंप्यूटर को वे उचित कीमतों पर मिलें और जो पैदा करता है उसको भी उचित मुनाफा मिले। इस प्रस्ताव के पीछे जो भावना है उसका तो मैं समर्थन करता हूँ? लेकिन इस में कुछ बातें ऐसी कही गई हैं जो व्यावहारिक नहीं हैं और उनका मूल प्रश्न मे कोई सम्बन्ध नहीं है और जो वास्तव में हो नहीं सकती है।

इस में पांच छ मूदे रखे गये हैं। पहले मूदे में यह कहा गया है कि कंजम्पशन की जो आवश्यक वस्तु हैं उनकी जो कास्ट प्राफ प्रोडक्शन है जिस में ट्रांसपोर्ट का खर्च, टैक्सिस और प्राफिट शामिल है वे डबोड़ी कीमत से ज्यादा कीमत पर न बिकें। अब टैक्स क्या पता कि उस पर कितना लयता है और प्राफिट माजिन क्या रखना चाहते हैं पांच परसेंट या इस परसेंट इनका कुछ पता नहीं है। लेकिन फिर भी जो भावना है उनका मैं आदर और समर्थन करता हूँ।

खाद्यान्नों के बारे में भी इस में कहा गया है। एक वातावरण बनाने की कोशिश की जाती है और बार बार कहा जाता है कि किसान की मदद हो लेकिन छोटे की ही बड़े की न हो। मैं प्रायः तक समझ नहीं पाया कि छोटा किसान किस को कहा जाता है। देश के अन्दर सीलियम का प्रापने कानू किया और प्रापने निरिचत कर दिया कि पांच एकड़ या इस एकड़ का हीलिख उसके पास हो। जब छोटे किसान की प्रापने कोई डीसीबीडव नहीं की

है। जब जब आप यह कहते हैं कि छोटा किसान और बड़ा किसान तो मैं समझता हूँ कि किसान किसान में आप फर्क करते हैं और उनमें आपस में फर्क पैदा करने की कोशिश की जाये तो वह अच्छी बात नहीं है। अगर किसान किसान में, सबदूर सबदूर में फर्क करने की कोशिश की जाय तो जो मतलब है वह हल नहीं होगा इस तरह की गैर जिम्मेदारी की बात नहीं होनी चाहिये। देश में जकरत इस बात की है कि अधिकतर की प्रोडक्शन खास तौर से बढ़े और जब तक ऐसा नहीं होना हमारे देश की इकोनोमी ठीक नहीं हो सकेगी, उसके ऊपर हम कंट्रोल नहीं कर पाएंगे।

17.49 hrs.

WELCOME TO EGYPTIAN PARLIAMENTARY DELEGATION

MR. SPEAKER: Mr. Singh, I am sorry to interrupt you. I just wanted to avail of this opportunity to welcome in this House the presence of the Egyptian Parliamentary Delegation led by the distinguished Deputy Speaker, H. E. Dr. Gamel Otefy who is so well known to us all. I assure them that we two nations and we two people have great pride in our friendship with each other.

They are very very welcome here. Our only regret is that they are only staying here for one night. They are on their way to Bangladesh. I very much wish on behalf of Parliament that they could have stayed longer. If they cannot stay now, they can on their way back stay here for some time and see more of the country, more of Delhi and more of the people. Hon. Members, on your behalf, I welcome them all most heartily.

I must apologise that because this is the fag-end of the week and the fag-end of the sitting only a few minutes more are left many members have left now. But we are very happy that a few of us are present here to welcome them.

RESOLUTION RE POLICY IN RESPECT OF PRICES AND AGRICULTURAL PRODUCTION—Contd.

श्री शिवनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन कर रहा था कि प्राइसिज को कंट्रोल करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए— और वह हमारा उद्देश्य है भी, और हम उसके लिए प्रयत्न भी करते हैं। लेकिन आज हमारे देश में एक बड़ी एनामेसी यह है कि जहाँ इण्डस्ट्री की प्राइसिज को तय करने का अधिकार इण्डस्ट्रियलिस्ट्स को है, वहाँ एग्रीकल्चर की प्राइसिज को तय करने का अधिकार एग्रीकल्चरिस्ट्स को नहीं है, बल्कि उनको कोई दूसरा ही तय करता है। हमें अपने देश में ऐसी परिस्थिति पैदा करनी पड़ेगी, जिसमें किसान अपनी पैदावार की कीमत खुद तय करने की स्थिति में हों जायें। ऐसा करने पर ही हम वास्तविक धर्चों में प्रोग्रेस कर सकते हैं।

आज किसान बड़ी मेहनत करके, और फर्टिलाइजर आदि बहुत कीमती सामानों का उपयोग करके, पैदा करता है, लेकिन जब उसकी प्राइसिज माकट में जाती है, तो मार्केट डाउन चली जाती है, और किसान की अपनी मेहनत का फल नहीं मिल पाता है। लेकिन जब किसान की पैदावार ब्यापारी के पास पहुँच जाती है, तो दो महीने के बाद उसकी प्राइसिज ऊँची हो जाती है। आवश्यकता इस बात की है कि प्राइसिज में यह जो फूलन-गुएसन होता है, उस की कंट्रोल किया जाये। इस का सीधा उपाय यह है कि हम किसान को उस की प्राइसिज की रीम्युनेटिव प्राइसिज एशोर्ड कर दें : किसान जो कुछ पैदा करे, हम उसकी रीम्युनेटिव प्राइसिज फिक्स कर दें और सरकार उसी प्राइसिज पर उस को खरीवे। इसके साथ ही मिडिलमैन को हटा दिया जाय। इससे एक तो कनज्यूमर को अधिक प्राइसिज नहीं देनी पड़ेगी, और दूसरे, किसान को भी